तापमान
अधिकतम 46 .2 डिग्री
न्यूनतम 23 .4 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, मंगलवार 26 मई 2026

11 स्वास्थ्य निदेशक के औचक निरीक्षण ...

12 अतिक्रमण हटाने पहुंची नपा टीम का विरोध

खबर संक्षेप

40 ग्राम हेरोइन सहित पंजाब का युवक गिरफ्तार

सोनीपत। पुलिस की क्राइम यूनिट वेस्ट ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में पंजाब निवासी युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 40 ग्राम हेरोइन बरामद की है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान विजय के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 24 मई को क्राइम यूनिट वेस्ट की टीम सब्जी मंडी गेट क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि पंजाब से आया युवक शुगर मिल के पास हेरोइन बेचने के लिए खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू किया। तलाशी के दौरान उसकी जींस की जेब से पॉलिथीन में रखी हेरोइन बरामद हुई, जिसका वजन 40 ग्राम पाया गया। मामले में थाना सिविल लाइन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है।

ट्रेन की चपेट में आया युवक, नहीं हुई शिनाख्त

गन्नौर। पानीपत-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर राजपुरा माइनर के समीप सोमवार दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से करीब 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान के प्रयास शुरू किए। जीआरपी प्रभारी सुरेश ने बताया कि मृतक युवक के हाथ पर अमरजीत-प्रीति लिखा हुआ है, जिसके आधार पर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों को भी युवक की फोटो दिखाई गई, लेकिन फिलहाल उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। मृतक की पहचान के लिए सूचना विभिन्न जीआरपी थानों में भेजी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वाहन से सात भैंसे बरामद, केस दर्ज

खरखौदा। पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए सात भैंसों से भरे एक वाहन को पकड़ा है। पुलिस को डायल-112 पर सूचना मिली थी कि एक वाहन में पशुओं को क्रूरता पूर्वक ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम रोहतक बाईपास खरखौदा पहुंची, जहां वाहन को जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान वाहन में बिना चारा-पानी और रेत-मिट्टी के सात भैंस भरी मिलीं। पुलिस ने वाहन चालक और पशु मालिक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टीडीआई सिटी में खौफनाक वारदात से दहशत में लोग

सनकी गार्ड की दरिंदगी, तीन कत्ल के बाद बैठकर खाता रहा खाना

इंसानियत की कीमत जान देकर चुकाई, पड़ोसी महिला को बचाने गए दंपति की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

टीडीआई सिटी कुंडली के बीपीएल फ्लैटों में हुए रोंगटे खड़े कर देने वाले तिहरे हत्याकांड में जैसे-जैसे नई जानकारियां सामने आ रही हैं, वैसे-वैसे आरोपित की क्रूरता को देखकर लोगों की रूह कांप रही है। पड़ोस की महिला को बचाने गए बेकसूर दंपति को इंसानियत की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि तीन हत्याओं को अंजाम देने के बाद भी आरोपित के चेहरे पर कोई डर या पछतावा नहीं था। वह वारदात के बाद सीधे अपने कमरे में गया और सामान्य तरीके से बैठकर खाना खाने लगा, जिससे उसकी खौफनाक मानसिकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। आरोपित ब्रहमप्रकाश टीडीआई के बीपीएल फ्लैट में अकेला रहता था। बताया जा रहा है कि फ्लैट उसके भाई का है। आरोपित अविवाहित है और एक निजी स्कूल में सुरक्षा गार्ड की नौकरी करता है।

आरोपी ने तीनों पर चाकू, डंडे और लोहे का पाइप से किया हमला

चश्मदीदों के अनुसार रविवार देर रात वह स्वाति के फ्लैट पर चाकू, डंडा और लोहे का पाइप लेकर पहुंचा था। इससे जाहिर होता है कि वह पूरी तैयारी के साथ आया था। जब वह स्वाति के साथ अभद्रता और मारपीट कर रहा था तो शोर सुनकर विजय और सुनीता बीच-बचाव करने पहुंचे। इस दौरान अन्य लोगों ने भी आगे बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन आरोपित ने सभी को धमकाते हुए कहा कि जो भी बीच में आएगा, वह जिंदा नहीं बचेगा। इससे लोग सहम गए। इसी बीच एक महिला ने रोकने की कोशिश की तो आरोपित ने उसके हाथ पर डंडे से वार कर दिया। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि आरोपित पर पहले भी दो मुकदमे दर्ज हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जांच के बाद ही इसकी आधिकारिक पुष्टि की जाएगी। वहीं मृतका 32 वर्षीय स्वाति ने बड़ौली गांव के वीरेंद्र से शादी की थी। दंपती की कोई संतान नहीं थी। स्वाति के पति कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करते हैं और वारदात के समय रात की ड्यूटी पर गए हुए थे। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाजार से राशन लेकर लौटी बेटी के हाथों में पिता ने ली अंतिम सांस

सोनीपत। मृत दंपति की बेटी खुशी परिजनों के साथ।

इस खौफनाक वारदात का सबसे मर्मांतक पहलू मृत दंपति की इकलौती बेटी खुशी के सामने आया। खुशी ने बताया कि वह देर रात बाजार में राशन लेने गई थी। वह अपने पति के साथ पास के ही दूसरे फ्लैट में रहती है। बाजार में होने के दौरान उसे मोहल्ले में झगड़े की सूचना मिली। वह तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। उसके माता-पिता सड़क पर खून से लथपथ पड़े थे। खुशी के अनुसार उसकी मां सुनीता की मौत हो चुकी थी, जबकि पिता विजय कुमार गंभीर रूप से घायल थे। उन्होंने बेटी के हाथों में सिर रखकर अंतिम सांस ली। खुशी ने रुंधे गले से कहा कि उसके माता-पिता का कसूर सिर्फ इतना था कि वे पड़ोस की महिला को बचाने गए थे।

क्रूर हत्यारे को फांसी की मांग

पूरे परिवार को बिखरते देखने वाली खुशी ने न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि ऐसे क्रूर हत्यारे को समाज में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उसने अदालत से आरोपित को फांसी की सजा देने की मांग की, ताकि किसी और परिवार को इस तरह का दर्द न सहना पड़े। पुलिस आरोपित को गिरफ्तार कर उससे गहन पूछताछ कर रही है।

सोनीपत। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस।

जटवाड़ा बुजुर्ग महिला हत्याकांड

संपत्ति विवाद और लूट के एंगल पर जांच, धरपकड़ को तीन टीमें गठित

सोनीपत। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के जटवाड़ा में रविवार को हुई 65 वर्षीय संतोष देवी की हत्या के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। सोमवार को नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस की जांच फिलहाल संपत्ति विवाद, पारिवारिक रंजिश और लूटपाट के एंगल पर केंद्रित है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मामले की जांच के लिए सिविल लाइन थाना पुलिस और सीआईए की तीन विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। जांच अधिकारियों के अनुसार वारदात का तरीका बताता है कि हमलावर महिला की दिनचर्या से अच्छी तरह परिचित था। उसे जानकारी थी कि संतोष देवी घर में अकेली रहती हैं और किस समय घर पर कोई दूसरा व्यक्ति मौजूद नहीं होता। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि कहीं किसी परिचित ने ही वारदात की साजिश तो नहीं रची। घर के मुख्य दरवाजे पर बाहर से कुंडी लगाए जाने को भी पुलिस अहम सुराग मान रही है।

- पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया संतोष देवी का शव
- महिला की हत्या से परिजनों में गुस्सा

सीसीटीवी और मोबाइल डेटा खंगाल रही पुलिस

पुलिस ने जटवाड़ा और आसपास लगे निजी व सरकारी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में ली है। रविवार सुबह से दोपहर तक इलाके में आने-जाने वाले संदिग्ध लोगों और वाहनों की पहचान की जा रही है। साइबर सेल वारदात के समय सक्रिय मोबाइल नंबरों का डेटा भी खंगाल रही है। पोस्टमार्टम के दौरान मृतका के परिजन और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे।

दम घुटने से मौत

बुजुर्ग महिला के भतीजे की बहू के बयान पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।
-रविंद्र सिंह, थाना प्रभारी, सिविल लाइन सोनीपत

बिजली कनेक्शन के नाम पर 1.50 लाख रिश्वत लेते ठेकेदार गिरफ्तार, जेई भी दबोचा

पोल्ट्री फार्म के लिए नया मीटर और लोड मंजूर कराने के नाम पर मांगे थे दो लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) रोहतक की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए यूएचबीवीएन के भटगांव कार्यालय में छापेमारी कर एक निजी ठेकेदार को डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

ये है मामला

मामले में संलिप्तता पाए जाने पर विभाग के जेई सूरज को भी हिरासत में लिया गया है। एसीबी के अनुसार शिकायतकर्ता रवि पेशे से शिक्षक हैं और उन्होंने अपने खेत में पोल्ट्री फार्म स्थापित किया है। इसके लिए उन्होंने बिजली विभाग की सभी औपचारिकताएं पूरी कर दी थीं, लेकिन नया बिजली कनेक्शन जारी नहीं किया जा रहा था। आरोप है कि भटगांव कार्यालय में तैनात जेई सूरज ने उन्हें ठेकेदार राहुल से मिलने को कहा। शिकायतकर्ता के मुताबिक ठेकेदार राहुल ने नया मीटर लगाने, लाइन बिछाने और लोड स्वीकृत कराने के बदले दो लाख रुपये की मांग की। बाद में सौदा डेढ़ लाख रुपये में तय हुआ। इसके बाद शिकायतकर्ता ने एसीबी रोहतक को शिकायत दी।

एसीबी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और जैसे ही शिकायतकर्ता ने ठेकेदार को रिश्वत की रकम सौंपी, टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में जेई सूरज की मिलीभगत सामने आने पर उसे भी हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल दोनों आरोपितों से पूछताछ जारी है। वहीं एसीबी के रेड से निगम कमचारियों में हड़कंप मच गया।

शिकायत पर एसीबी रोहतक ने जाल बिछाकर रंगे हाथ पकड़ा, जेई की भी मिलीभगत मिली

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस : महानिदेशक

एंटी करप्शन ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. एएस चावला ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर पूरी कड़ाई से काम कर रही है। जनता के जायज कार्यों में अड़ंगा लगाकर रिश्वतखोरी करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि यदि कोई भी सरकारी मुलाजिम या उससे जुड़ा व्यक्ति काम के बदले पैसों की मांग करता है, तो तुरंत ब्यूरो के टोल फ्री नंबर 1800-180-2022 अथवा 1064 पर इसकी सूचना दें, ताकि ऐसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

लड़की के शादी से इनकार करने पर युवक ने फंदा लगाया

सोनीपत। कुंडली की घी मिल कॉलोनी में एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। प्रारंभिक जांच में प्रेम संबंध को लेकर मानसिक तनाव की बात सामने आई है। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के हरदोई निवासी राकेश करीब पांच वर्ष से कुंडली की घी मिल कॉलोनी में रह रहे थे। वह क्षेत्र की एक जूते बनाने वाली फैक्टरी में काम करते थे। बताया गया है कि राकेश एक युवती से प्रेम करते थे, लेकिन युवती के शादी से इनकार किए जाने के बाद वह काफी समय से मानसिक रूप से परेशान रहने लगे थे।

- जूते बनाने की फैक्ट्री में काम करता था युवक
- युवती के शादी से मना करने पर मानसिक तनाव में था

परिजनों का कहना है कि इसी तनाव के चलते उसने अपने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। राकेश अपने परिवार में सबसे छोटे थे। परिवार में माता-पिता और एक बड़ा भाई है। उनके बड़े भाई दिल्ली में काम करते हैं। युवक की मौत से परिजनों में शोक का माहौल है।

पुलिस ने अवैध शराब से भरा कैंटर पकड़ा, दो काबू

खरखौदा। पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शराब से भरे एक कैंटर को पकड़कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रोहतक बाईपास की तरफ से एक कैंटर में अवैध शराब भरकर लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी कर कैंटर को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान कैंटर से भारी मात्रा में अंग्रेजी बीयर और शराब बरामद हुई। आरोपियों की पहचान बाड़मेर, राजस्थान निवासी हंसराज और जगदीश के रूप में हुई है। बरामद शराब में गॉडफादर बीयर की 395 पेटियां, जिनमें 9,480 बोतलें शामिल हैं, इम्पीरियल ब्लू की 300 पेटियां और मैकडॉवेल्स नंबर-1 की 4,800 बोतलें मिली हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी राजस्थान से शराब लाकर हरियाणा में अवैध रूप से सप्लाई करने की तैयारी में थे। खरखौदा थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस शराब तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है।

तीसरी बार समारोह के समय में बदलाव, अब 27 को होगा

धारा 163 से अटका शहर की सरकार का शपथ ग्रहण समारोह

सोनीपत। रेलवे रोड स्थित नगर निगम कार्यालय।

किया गया, लेकिन अब तीसरी बार बदलाव करते हुए कार्यक्रम 27 मई सुबह 9:30 बजे तय किया गया है। कार्यक्रम की तैयारियों पूरी हो गई है।

मेयर व 22 पार्षद पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे

समारोह में नवनिर्वाचित मेयर राजीव जैन और 22 निगम पार्षद पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण के बाद नई नगर निगम टीम शहर के विकास कार्यों की जिम्मेदारी संभालेगी। नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार ने बताया कि मुरथल रोड स्थित जीवीएम कन्या महाविद्यालय में आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों शुरू हो चुकी हैं। शहर की नवनिर्वाचित सरकार को शपथ दिलाने के लिए मंडल आयुक्त राजीव रतन बतौर मुख्य अतिथि पहुंचेंगे।

जीवीएम कन्या महाविद्यालय में चल रही स्नातक की परीक्षाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मुरथल रोड स्थित जीवीएम कन्या महाविद्यालय में आयोजित होने वाला शहर की नवनिर्वाचित नगर निगम सरकार का शपथ ग्रहण समारोह एक दिन के लिए टाल दिया गया है। अब यह समारोह 27 मई को सुबह 9:30 बजे आयोजित होगा। महाविद्यालय में चल रही स्नातक परीक्षाओं और धारा-163 लागू होने के कारण समारोह की तिथि में बदलाव किया गया है।

पहले मंडल आयुक्त रोहतक कार्यालय की ओर से समारोह 26 मई को सुबह 9:30 बजे निर्धारित किया गया था। बाद में समय बदलकर मंगलवार शाम 5 बजे

मिशन एडमिशन : पॉलिटेक्निक में शुरू होगा एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान (पॉलिटेक्निक) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से विद्यार्थियों के लिए एक नए एवं रोजगारपरक डिप्लोमा पाठ्यक्रम एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग की शुरुआत की गई है। यह तीन वर्षीय डिप्लोमा कोर्स होगा, जिसमें कुल 60 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसलिए इच्छुक युवा 10 जून तक अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। प्रधानाचार्य प्रवेश सांगवान ने बताया कि हरियाणा राज्य में यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम पहली बार किसी भी सरकारी अथवा निजी संस्थान में प्रारम्भ किया गया है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का किसी भी राज्य अथवा केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। विद्यार्थियों का चयन निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया एवं नियमों के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थियों के लिए सरकारी एवं निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार की व्यापक संभावनाएं उपलब्ध रहेंगी। विद्यार्थी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन विभाग, पर्यावरण संरक्षण एजेंसियों, औद्योगिक इकाइयों, नगर निकायों तथा विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने एवं स्वरोजगार स्थापित करने के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

- प्रदेश में पहली बार किसी सरकारी अथवा निजी संस्थान में शुरू किया गया पाठ्यक्रम

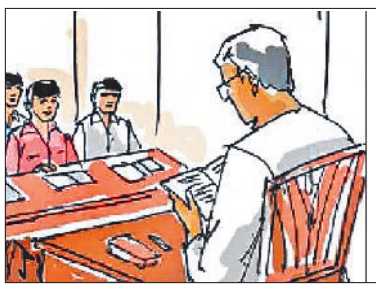

तीन वर्षीय डिप्लोमा कोर्स में 60 सीटें विद्यार्थी 10 जून तक कर सकते हैं पंजीकरण

संस्थान में हेल्प डेस्क स्थापित

प्रधानाचार्य प्रवेश सांगवान ने बताया कि संस्थान में प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सुविधा के लिए संस्थान परिसर में एडमिशन हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है, जहां प्रशिक्षित कर्मचारी पूर्ण क्षमता के साथ अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान संस्थान में पहुंचकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं और पाठ्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
26 मई 2026
सहेली

विशेषः अंतरराष्ट्रीय अभिभावक दिवस, 1 जून

अपने बच्चों के प्रति माता-पिता का निस्वार्थ-अनमोल प्रेम

माता-पिता अपने बच्चों की खुशी और सफलता के लिए अपनी सारी इच्छाएं त्याग देते हैं। बच्चों की खुशी में ही उन्हें खुशी मिलती है। उनका यह निस्वार्थ प्रेम बहुत अनमोल होता है। इसे अभिभावक दुनिया की सबसे बड़ी नियामत मानते हैं।

कवर स्टोरी

डॉ. ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

रात के करीब ग्यारह बजे हैं। घर के लगभग सभी सदस्य सो चुके हैं, सिवाय दो लोगों के। मां टेंथ में पढ़ने वाली बेटी की यूनिफॉर्म प्रेस कर रही थी, लेकिन उसका ध्यान बार-बार दरवाजे की ओर चला जा रहा था। भीतर ही भीतर उसका मन भी घबरा रहा था, क्योंकि बेटा, जो इस वर्ष ही कॉलेज पहुंचा है, अभी तक घर नहीं लौटा है। ड्राइंगरूम में बैठे पिता शायद चौथी बार मुख्य दरवाजे तक जाकर लौटे हैं। रात बढ़ती जा रही है। फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। वह कभी घड़ी देखते, कभी मोबाइल स्क्रीन और फिर चुपचाप दरवाजे की ओर नजर उठा देते।

बच्चों को अपनी जिम्मेदारी का बोध नहीं

यह दृश्य किसी एक घर का नहीं है। यह उन असंख्य भारतीय परिवारों का परिचित दृश्य है, जहां माता-पिता की रातें बच्चों की चिंता में ही बीतती हैं। लेकिन बच्चों की दुनिया में इन बातों का अर्थ अकसर बिल्कुल अलग होता है। उनके लिए रात तक जागकर उनका प्रोजेक्ट तैयार करना, यूनिफॉर्म प्रेस करना या सुबह जल्दी उठकर पसंद का टिफिन बनाना, घर की सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है। कहीं-न-कहीं उन्हें यह सब अपना अधिकार या उससे भी अधिक, माता-पिता की जिम्मेदारी लगता है। लेकिन ठीक इसके विपरीत उन्हें किसी भी तरह की रोक-टोक, पूछताछ या अनुशासन सहज स्वीकार नहीं होता। वे कितनी देर में घर लौटेंगे, किस दोस्त के पास जा रहे हैं, इतनी देर तक फोन पर क्यों बात कर रहे हैं या पढ़ाई पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे जैसे सवाल उन्हें अनावश्यक हस्तक्षेप और बंदिश जैसा लगने लगता है। बच्चे यह तो चाहते हैं कि उनकी हर जरूरत बिना कहे पूरी हो जाए, लेकिन उनसे समय, अनुशासन या जवाबदेही की अपेक्षा की जाए तो उन्हें दिक्कत लगने लगती है। शायद यही कारण है कि हर पीढ़ी अपने माता-पिता के प्रेम को सबसे पहले सुविधा की तरह देखती है, त्याग की तरह नहीं। क्योंकि जो चीज हमें हर दिन बिना मांगे मिलती रहती है, उसका मूल्य अकसर बहुत देर से समझ में आता है।

सबसे पहले छूटती है माता-पिता की नींद

सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह मानते हैं, एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद आवश्यक है। लेकिन माता-पिता बनने के बाद शायद यह सिद्धांत सबसे पहले टूटता है। बच्चे छोटे होते हैं तो मां उनकी हल्की-सी करवट से भी जाग जाती है। बच्चे बड़े हो जाते हैं तो चिंता का स्वरूप बदल जाता है, लेकिन चिंता समाप्त नहीं होती। तब माता-पिता की नींद कभी उनके एग्जाम की चिंता में टूटती है, कभी देर रात तक घर न लौटने की बेचैनी में और कभी उनके भविष्य को लेकर उठते अनगिनत सवालों में। शायद इस संसार में माता-पिता और संतान का रिश्ता ही एक ऐसा अनूठा रिश्ता है, जहां स्वयं की कोई अलग खुशी नहीं रह जाती। बच्चा मुस्कुराता है तो माता-पिता मुस्कुराते हैं, बच्चा परेशान होता है तो भीतर ही भीतर वे भी परेशान हो उठते हैं। बच्चे की छोटी-सी उपलब्धि उन्हें गर्व से भर देती है और उसका छोटा-सा तनाव भी उनकी रातों की नींद छीन लेता है।

माता-पिता छोड़ देते हैं अपनी इच्छाएं

'मैं आज जो कुछ भी हूं, अपने माता-पिता की वजह से हूं। मेरी मां सुबह बहुत जल्दी उठ जाती थीं, क्योंकि मुझे प्रैक्टिस के लिए जाना होता था। वह मेरे लिए खाना बनाती थीं। वह मुश्किल से केवल तीन घंटे सोती थीं। मेरे पिता ने मेरे लिए अपना काम छोड़ दिया। हमारा घर बहुत मुश्किल से चलता था, लेकिन मेरे पिता हमेशा कहते थे, 'तू लगा रह।' आज जो भी परिणाम दिखाई दे रहा है, जो भी सफलता मुझे मिली है, वह मेरे माता-पिता की वजह से है।' ये शब्द हैं उस वैभव सूर्यवंशी के, जिसने बेहद कम उम्र में क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम दर्ज करा लिया। लेकिन किसी भी सफल बच्चे की कहानी केवल उसकी प्रतिभा की कहानी नहीं होती। उसके पीछे अकसर माता-पिता के अनगिनत त्याग छिपे होते हैं। जब लोग किसी बच्चे की सफलता पर तालियां बजाते हैं, तब बहुत कम लोग उन रातों के बारे में सोचते हैं, जब माता-पिता अपनी इच्छाओं, अपने आराम और कई बार अपने पूरे जीवन की दिशा तक बदल देते हैं ताकि बच्चे का सपना अधूरा न रह जाए। माता-पिता बनने के बाद धीरे-धीरे उनकी अपनी जरूरतें पीछे छूटने लगती हैं। खुद के अच्छे कपड़े, खुद की इच्छाएं, खुद का आराम सब कुछ बच्चों की छोटी-छोटी जरूरतों और खुशियों के आगे गौण हो जाता है। बच्चों की हर छोटी इच्छा उन्हें याद रहती है, लेकिन अपनी अनेक इच्छाएं वे चुपचाप टालते रहते हैं। शायद यही कारण है कि बच्चों की छोटी-सी मुस्कुराहट भी उन्हें अपनी बड़ी-से-बड़ी खुशी से अधिक महत्त्वपूर्ण लगने लगती है।

सबसे निःस्वार्थ होता है माता-पिता का प्रेम

माता-पिता बनने के बाद व्यक्ति का जीवन केवल व्यस्त नहीं होता, वह पूरी तरह बदलने लगता है। धीरे-धीरे उनका समय केवल उनका नहीं रह जाता। उनकी योजनाएं, उनकी छुट्टियां, उनका खाली समय सब कुछ बच्चों की जरूरतों और समय के अनुसार ढलने लगता है। वे दोस्तों के साथ बनी योजनाएं रद्द कर देते हैं, क्योंकि बच्चे की परीक्षा है। वे अपनी पसंद की फिल्म छोड़ देते हैं, क्योंकि बच्चे को कहीं और जाना है। धीरे-धीरे उनका पूरा जीवन इस तरह बदल जाता है कि बच्चों को कमी कम-से-कम महसूस हो। और शायद यही कारण है कि बहुत से बच्चों को वर्षों बाद समझ में आता है कि उनका सहज और सुरक्षित बचपन, वास्तव में माता-पिता के अनगिनत मौन त्याग पर खड़ा था। माता-पिता का प्रेम संसार का सबसे निःस्वार्थ प्रेम माना जाता है। उसमें त्याग दिखाई कम देता है, लेकिन छिपा बहुत कुछ होता है अधूरी नींद, टली हुई इच्छाएं, लगातार चलती चिंताएं और फिर भी चेहरे पर वही सामान्य मुस्कान।

छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ाहट-मानसिक थकान
कहीं आपको डिसीजन फटीग की प्रॉब्लम तो नहीं

दिन भर में हमें छोटे-छोटे बहुत से डिसीजन लेने होते हैं, कुछ लोग इस तरह के डिसीजन लेने में एक थकान महसूस करते हैं, उन्हें चिड़चिड़ाहट होती है। इसे मेडिकल टर्म में डिसीजन फटीग कहते हैं। इसके क्या लक्षण होते हैं, इससे कैसे बचा जाए, जानिए।

मेंटल हेल्थ

विधि

आज की बिजी लाइफस्टाइल में हम सभी को अपने करियर, घर-परिवार से जुड़ी अनेक बातों के बारे में दिन भर में अनेक डिसीजन लेने पड़ते हैं, जैसे-कब क्या पहनना है, कहां जाना है, कैसे जाना है, किसके साथ मीटिंग है, किस काम को पहले करना है, किसको बाद में, लंच में क्या खाना? इन ढेर सारे छोटे-छोटे डिसीजन लेने के कारण दिमाग काफी ज्यादा थक जाता है, मानसिक ऊर्जा खत्म सी हो जाती है। इसके बाद एक छोटा-सा फैसला लेना भी पहाड़ जैसा लगने लगता है। परिणाम स्वरूप व्यक्ति चिड़चिड़ा हो जाता है, अपने डिसीजन टालने लगता है या जल्दबाजी में गलत फैसले ले लेता है। इसी मानसिक थकान को मेडिकल की भाषा में डिसीजन फटीग कहा जाता है। यह कोई बड़ी मानसिक बीमारी नहीं है, बल्कि इस समस्या में व्यक्ति रोजमर्रा के नॉर्मल डिसीजन लेने में काफी मुश्किल महसूस करता है। सरल शब्दों में कहें तो डिसीजन फटीग का सीधा मतलब है, फैसले लेने की वजह से होने वाली मानसिक थकान।

डिसीजन फटीग के लक्षणः डिसीजन फटीग की प्रॉब्लम होने पर व्यक्ति में निम्नलिखित लक्षण देखे जा सकते हैं, जिन पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

- दिन भर में लगातार फैसले लेने के बाद दिमाग में भारीपन या थकान महसूस होती है। इस स्थिति में व्यक्ति को सोचने में ज्यादा समय लगता है, उसके लिए नॉर्मल काम करने में भी मुश्किल होती है।
- कोई भी निर्णय लेने में ज्यादा वक्त लगता है।
- रोजमर्रा के किसी भी तरह के सामान्य काम करने में भी कठिनाई होने लगती है।
- जब फैसला लेने की ताकत कम हो जाती है तो व्यक्ति फैसले टालने लगता है, जिसके कारण हर काम को वह बाद में देखेंगे, अभी मन नहीं कर रहा जैसे बहाने करके टालने लगता है।
- दिमाग में स्ट्रेस होने के कारण कई बार जल्दबाजी में फैसले लेते हैं, जैसे डाइट पर होते हुए भी जंक फूड खाना, बिना सोचे-समझे शॉपिंग करना या किसी काम के लिए हां या न करना।
- किसी भी तरह के फैसले लेते समय खुद का बचाव करना या पीछे हटना।
- अपनी जिम्मेदारियों को हमेशा दूसरों पर डाल देना।
- काबिल होते हुए भी हर समय खुद पर कम विश्वास करना, अपने फैसलों पर शक होना, खुद को दोष देना या हर फैसले के बाद सही डिसीजन लिया या नहीं, इस बारे में सोचना भी डिसीजन फटीग का संकेत हो सकता है।
- डिसीजन फटीग की प्रॉब्लम के कारण व्यक्ति को सिर में दर्द, फोकस करने में मुश्किल होना, नींद में कमी और रोजमर्रा के कामकाज में समस्या होने जैसे कई तरह के लक्षण नजर आ सकते हैं।

डिसीजन फटीग से बचने के उपायः फिजिशियन **डॉ. सतीश विरमानी** के अनुसार, डिसीजन फटीग से बचने के लिए आप इन बातों का ध्यान रखें-

- सुबह के समय दिमाग फ्रेश होता है, दिमागी ऊर्जा सबसे ज्यादा होती है, इसलिए जरूरी फैसले सुबह ही लेने की कोशिश करें।
- रोजमर्रा के कामों (जैसे कपड़े या खाना) में ज्यादा ऑप्शंस न रखें। ऑप्शंस कम होंगे, तो कंफ्यूजन भी कम होगा।
- हर काम का एक तय समय और रुटीन बनाएं। इससे बार-बार छोटे-छोटे फैसले नहीं लेने पड़ेंगे और दिमाग को रेस्ट मिलेगा, वो रिलैक्स्ड रहेगा।
- लगातार काम करने से बचें, इससे मानसिक थकान होती है। इसलिए हर 60 से 90 मिनट बाद ब्रेक लें।
- अच्छी नींद और हेल्दी डाइट भी मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने और फैसलों को आसान बनाने में मदद कर सकते हैं।

बच्चे और आप

ललिता गोयल

समर वैकेशन में बच्चों को स्कूल से हॉलिडे होमवर्क मिलता ही है। इसे पूरा कराने की जिम्मेदारी पैरेंट्स की होती है। बच्चे कैसे समर वैकेशन को एंज्वॉय करते हुए अपना हॉलिडे होमवर्क समय से पूरा कर लें, इसके लिए आप हॉलिडे होमवर्क का स्मार्ट शेड्यूल बना लें। यह कैसे बनाएं, जानिए।

बच्चों के लिए करें स्मार्ट हॉलिडे होमवर्क प्लानिंग

इन दिनों ज्यादातर स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां हो गई हैं। बच्चे खुश हैं लेकिन पैरेंट्स को बच्चों के हॉलिडे होमवर्क की चिंता है, क्योंकि जितना मर्जी कोशिश कर लें, छुट्टियों के आखिरी दिन तक बच्चों का हॉलिडे होमवर्क खत्म नहीं होता। शुरू में तो लगता है बहुत टाइम है, हो जाएगा। लेकिन बाद में रिजल्ट होता है, बच्चों का अधूरा हॉलिडे होमवर्क। यह कहानी हर साल की होती है। चलिए, इस बार इस कहानी को बदलते हैं। हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स बता रहे हैं, जिनसे बच्चों का होमवर्क आसानी से हो जाएगा और बच्चों ही नहीं आपकी भी समर वैकेशन मजे से बीतेगी।

हॉलिडे होमवर्क का स्मार्ट शेड्यूल बनाएंः जब आप एक प्लानिंग से बच्चों का होमवर्क कराएंगी तो वह समय से जरूर पूरा हो जाएगा। एक स्मार्ट शेड्यूल बच्चों को रोजाना थोड़ा-थोड़ा होमवर्क करने के लिए इंस्पायर करता है। हॉलिडे होमवर्क समय पर हो, इसके लिए शेड्यूल बनाएं। सारा होमवर्क देखने के बाद कब, क्या कितनी समय सीमा में करना है, उसका शेड्यूल बनाएं। बच्चों को शेड्यूल बनाने की प्रक्रिया में शामिल करें, उनसे पूछें कि वे किस समय पढ़ना पसंद करेंगे और किस समय खेलना चाहेंगे? उनकी राय से शेड्यूल बनाने से वे शेड्यूल मानेंगे। साथ ही शेड्यूल ऐसा बनाएं कि होमवर्क तो होता रहे और बच्चों की मस्ती और खेल-कूद भी चलता रहे। पहले एक सब्जेक्ट का होमवर्क खत्म कराएं और फिर दूसरा शुरू करें। इससे आपको ध्यान भी रहेगा कि कितना होमवर्क हो गया, कितना बचा है?

आप भी दें उसका साथ

होमवर्क के बीच में बच्चे की पसंद के अनुसार उसे घुमाने ले जाएं या खेलने भी दें। जिससे उन्हें यह फील न हो कि हॉलिडे होमवर्क का मतलब सिर्फ पढ़ाई करना है। इससे होमवर्क उसे बोझ नहीं लगेगा और वह होमवर्क एंज्वॉय करेगा। अगर बच्चा खुद होमवर्क कर रहा है, तब भी उसके साथ बैठें, ताकि उसे अकेलापन महसूस न हो और वह बोर न हो। पढ़ाई के साथ खेलने के लिए बच्चों को पूरा समय दें। कुछ पैरेंट्स बच्चों को होमवर्क खत्म करने का प्रेशर बनाकर उन्हें घंटों बैठाए रखते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें, बल्कि जब बच्चा होमवर्क करे, तो खुद भी उसके साथ बैठें और उसकी मदद करें।

प्रेशर न बनाएंः होमवर्क करने के लिए बच्चे पर कभी प्रेशर न बनाएं। बीच में गैप ले-लेकर होमवर्क कराएं। बीच-बीच में बच्चे के साथ खेलें, कुछ रोचक एक्टिविटीज करें ताकि होमवर्क से बच्चा बोर न हो, एक्टिव बना रहे।

टाइमिंग का रखें ध्यानः बच्चों को होमवर्क कराते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह बच्चा है, जल्दी और ज्यादा होमवर्क कराने के चक्कर में उसे बोर न करें, क्योंकि अगर वह शुरू में बोर हो जाएगा, तो होमवर्क उसे बोझ लगने लगेगा। अपने बच्चे की क्षमता के हिसाब से प्लानिंग करें।

बच्चों का होमवर्क खुद न करेंः कुछ पैरेंट्स होमवर्क खत्म करने के चक्कर में बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें, क्योंकि अगर एक बार आप उनका होमवर्क कर देंगे या तो वह खुद से होमवर्क कभी-भी नहीं करना चाहेगा। इसलिए जरूरी है कि उन्हें होमवर्क कराने के दौरान चीजों को और रोचक बनाते हुए उन्हें सीखने और खुद से होमवर्क करने के लिए प्रेरित करें।

(शिक्षिका योगिता जिंदल से बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

तेज धूप से स्किन टैनिंग आजमाएं ये घरेलू उपाय

गर्मी के मौसम में स्किन पर तेज धूप का असर दिखने लगता है। दरअसल, कैप, दुपट्टा या छाता से कवर करने के बाद भी दिन में घर से बाहर निकलने पर थोड़ी-बहुत टैनिंग हो ही जाती है। दरअसल, सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणों के संपर्क में आने से हमारी स्किन डल पड़ने लगती है। स्किन के कॉम्प्लेक्शन में अंतर आने लगता है। ऐसे में धूप के असर से बचने के लिए आप कुछ होममेड फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपकी स्किन को टैनिंग से बचाए रखेंगे।

पपीता फेस पैकः यदि आपका चेहरा धूप में अधिक समय तक रहने से डल पड़ गया है तो पपीते का फेस पैक काफी मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आप पका हुआ पपीता और नीबू लें। पपीते का छिलका उतारकर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर मैश कर लें और इसमें नीबू के रस की कुछ बूंदें मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर प्राकृतिक तरीके से सूखने के बाद ताजे पानी से चेहरा धो डालें। इसे आप रोजाना नियमित रूप से लगा सकती हैं।

शहद-पपीते का फेस पैकः सन टैन हटाने के लिए शहद और पपीते का फेस पैक भी काफी सहायक होता है। आप थोड़ा-सा पपीता मैश करके इसमें कुछ बूंदें शहद की मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर सूखने दें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। यह पैक सन टैन को हटाने के साथ ही त्वचा को पोषण भी देता है, जिससे आपकी स्किन सॉफ्ट बन जाती है।

नीबू का फेस पैकः नीबू का फेस पैक बनाने के लिए एक चम्मच नीबू का रस, एक चम्मच शहद और एक चम्मच दूध को कटोरी में मिलाकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को चेहरे पर आधे घंटे लगा रहने दें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। यह त्वचा की रंगत निखारने का प्राकृतिक तरीका है। दूध में मौजूद नेचुरल फैट और मिनरल्स, स्किन को टोन करते हैं और मैग्नीशियम, कैल्शियम आदि स्किन को पोषण प्रदान करते हैं।

एलोवेरा जैल-हल्दीः तीन चम्मच एलोवेरा जैल, एक चम्मच हल्दी और दो चम्मच शहद को एक कटोरी में मिलाकर पेस्ट बना लें। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाने के 20 मिनट बाद पानी से धो डालें। इसे आप हफ्ते में एक दिन लगा सकती हैं। एलोवेरा जैल की कुछ बूंदें रोजाना चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत निखरती है और स्किन टैन की समस्या से निजात मिलती है।

आप वर्किंग वूमेन हों या होम मेकर, जरूरत पड़ने पर दिन के समय भी घर से बाहर निकलना ही पड़ता है। ऐसे में हीट स्ट्रोक से बचने के लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट को लेकर कॉन्शस रहें।

डाइट रखें सही नहीं होगा हीट स्ट्रोक

डाइट सजेशन

डॉ. अंशु चौहान, डाइटीशियन

इन दिनों गर्मी अपने चरम पर है। दिन के समय तो तापमान बहुत बढ़ जाता है। ऐसे में अगर घर से बाहर निकलना पड़े तो लू लगने यानी हीट स्ट्रोक का रिस्क होता है। इससे आपको गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लू से बचने के लिए अन्य सावधानियों के साथ अपनी डाइट का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है।

इनका करें सेवनः इन तपिश भरे दिनों में सबसे अधिक ध्यान हाइड्रेशन पर होना चाहिए। हमारे शरीर का लगभग 60-70 प्रतिशत हिस्सा पानी का होता है, लेकिन तेज गर्मी की वजह से पसीने के जरिए हम न केवल शरीर में मौजूद पानी बल्कि जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे सोडियम और पोटेशियम भी खोते रहते हैं। इसकी भरपाई के लिए खीरा, तरबूज और लौकी जैसी सब्जियों और फलों का सेवन फायदेमंद है। इनमें 90 प्रतिशत से अधिक पानी होता है। तरबूज में मौजूद लाइकोपिन, त्वचा को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाता है। वहीं खीरा शरीर को ठंडक देता है और इसमें मौजूद फाइबर कब्ज जैसी समस्याओं को भी दूर रखता है। जो अकसर गर्मी में पानी की कमी से हो जाती है। इन दिनों प्याज का सेवन भी लू से बचाने में कारगर माना जाता है, क्योंकि इसमें क्वेरसेटिन नामक तत्व होता है, जो गर्मी के प्रभाव को कम करने में मददगार साबित होता है। नियमित छोटे-छोटे मील्स, शरीर को कार्बोहाइड्रेट प्रदान करते हैं, जो गर्मी में ऊर्जा के मुख्य स्रोत होते हैं। घर का बना ताजा खाना और मौसमी फलों का सेवन आपको गर्मी में भी ऊर्जावान और सुरक्षित रखेगा।

उपयोगी पेय पदार्थः इन दिनों पेय पदार्थों में छाछ और नीबू पानी पीना सबसे फायदेमंद है। छाछ एक प्राकृतिक प्रोबायोटिक है, जो हमारे पाचनतंत्र को दुरुस्त रखने में सहायक होता है। जबकि नीबू पानी विटामिन-सी और इलेक्ट्रोलाइट्स का भंडार है। इसके अलावा आम का पन्ना, लू से बचने का पुराना, कारगर घरेलू तरीका है। कच्चे आम में मौजूद एसिड और पैक्टिन नामक पदार्थ, शरीर को झुलसाने वाली गर्मी से लड़ने की शक्ति देते हैं। इनके अलावा सत्तू का शरबत, प्रोटीन का एक बेहतरीन और सस्ता माध्यम है, जो शरीर को अंदर से ठंडा रखता है और लंबे समय तक ऊर्जा देता है। नारियल का पानी प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स (पोटेशियम, सोडियम, मैग्नीशियम) से भरपूर और डिहाइड्रेशन रिकवरी में सहायक होता है। इस बात को भी याद रखें कि गर्मी के दिनों में प्यास लगने का इंतजार ना करें, बल्कि हर एक घंटे में थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें।

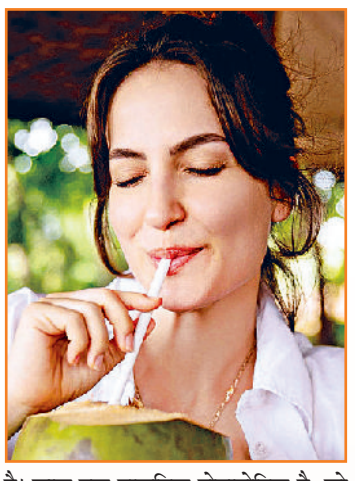

क्या न खाएंः इन दिनों तला-भुना और मसालेदार खाना पचाने में शरीर को बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे आंतरिक गर्मी बढ़ती है। समोसे, पकौड़े या भारी ग्रेवी वाली सब्जियां, एसिडिटी और पेट में जलन पैदा करती हैं। इसी तरह कैफीन (चाय और कॉफी) का सेवन कम करना चाहिए। ये पदार्थ डाइयूरेटिक होते हैं, जिसका मतलब है कि ये शरीर से पानी को बाहर निकालते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा चीनी वाले ठंडे पेय पदार्थ या सोडा पीना भी सही नहीं होता है। साथ ही इस मौसम में रेड मीट, शराब और भारी प्रोटीन वाले फूड्स से परहेज करना चाहिए। बासी खाना भी नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा रहता है।

प्रस्तुतिः संध्या रानी

खबर संक्षेप

पुलिस लाइन में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

सोनीपत। पुलिस द्वारा पुलिस लाइन में विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना था। योग विशेषज्ञों ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी सहित विभिन्न योगासन व प्राणायाम का अभ्यास कराया। प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योग तनाव कम करने और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने में सहायक है। परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में पुलिस ने योग विशेषज्ञ टीम का आभार जताया।

गंगा दशहरे पर सतकुंभा धाम में उमड़े श्रद्धालु

गन्नौर। गंगा दशहरे और पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर सोमवार को प्राचीन सिद्धपीठ सतकुंभा धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने तीर्थ में स्नान कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। धाम परिसर में भंडारे और ठंडे मीठे पानी की छबील की व्यवस्था भी की गई। सिद्धपीठ सतकुंभा धाम के पीठाधीश्वर श्रीमहंत राजेश स्वरूप जी महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते कहा कि गंगा दशहरा आस्था व पुण्य का पर्व है। बताया कि मान्यता के अनुसार इस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। किसी भी पवित्र तीर्थ या सरोवर में स्नान करने से गंगा स्नान के समान पुण्य प्राप्त होता है।

अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप, सभी अलर्ट मोड़ पर आए नजर

नागरिक अस्पताल में खामियां देख निदेशक ने जताई नाराजगी

करीब 3 माह से सुर्खियों में बना हुआ है सोनीपत का नागरिक अस्पताल, जिला सिविल सर्जन का हो चुका है तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में निरीक्षण के दौरान प्रबंधन से जानकारी लेते स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ. जितेंद्र। *फोटो : हरिभूमि*

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में बिजली के उखड़े उपकरणों पर नाराजगी जताते विभाग के निदेशक डॉ. जितेंद्र। *फोटो : हरिभूमि*

स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ. जितेंद्र ने सोमवार को दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल सहित जिले के विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं और स्वच्छता का गहन जायजा लिया। उनके निरीक्षण की सूचना से दोपहर तक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बनी रही, सभी अलर्ट मोड़ पर नजर आए। दोपहर बाद उन्होंने अस्पतालों का दौरा कर स्वास्थ्य सुविधाओं, व्यवस्थाओं पर परखी की। नागरिक अस्पताल में कई खामियां देख निदेशक ने नाराजगी भी जताई। बता दें कि जिले का नागरिक अस्पताल 3 माह से स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों के राडार व सुर्खियों में बना हुआ है। इस अंतराल अस्पताल में अव्यवस्थाओं के साथ प्रबंधन पर कभी आशा वर्कर भर्ती घोटाले, कभी महंगी दवाएं खरीदने और दस्तावेजों से छेड़छाड़ के आरोप लग चुके हैं।

विभिन्न बड़े मामले उजागर होने के पश्चात एक माह के अंदर जिला सिविल सर्जन का तबादला होने के कयास लगाए जा रहे है। इतना ही नहीं, दो दिन पूर्व विभाग के उच्च अधिकारियों ने चिकित्सा अधिकारी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। चर्चा का माहौल है कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ती अव्यवस्था के चलते निदेशक ने निरीक्षण कर जायजा लिया है।

तुरंत सुधार के निर्देश

निदेशक डॉ. जितेंद्र दोपहर 2 बजे के बाद सबसे पहले नागरिक अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में पहुंचे। यहां निरीक्षण के पश्चात उन्होंने प्रसूति केंद्र, डायलिसिस सेंटर, फिजियोथेरेपी सेंटर, आईसीयू, शिशु वार्ड और सामान्य वार्डों का दौरा कर यहां मरीजों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं पर जानकारी ली। साथ ही मरीजों से बातचीत कर उपचार व्यवस्था के बारे में फीडबैक लिया। इस दौरान डॉ. अलंकृत गैर, डॉ. मनजीत राठी, डॉ. आदित्य सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। निदेशक के निरीक्षण में कई खामियां सामने आने पर उन्होंने असंतोष जताते हुए अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए।

शौचालय में गंदगी मिलने पर फटकार

जब निदेशक डॉ. जितेंद्र नागरिक अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर रहे थे, तो उन्हें शौचालय के पास गंदगी फैली दिखाई दी। जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को फटकार लगाते हुए विशेष स्वच्छता अभियान चलाने और सफाई व्यवस्था को नियमित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने चेताया कि स्वच्छता में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रसूति केंद्र में बढ़ेंगे बेड

उन्होंने प्रसूति केंद्र में निरीक्षण करते हुए मरीजों की बढ़ती संख्या को देख यहां बेड बढ़ाने और इमरजेंसी में आईसीयू सुविधा को और मजबूत करने की बात कही, ताकि गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके। इसके बाद उन्होंने फिजियोथेरेपी सेंटर में मशीनों की कार्यप्रणाली की भी जांच की। अस्पताल प्रबंधन को हिदायत दी कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आने वाले मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर सुविधाएं मुहैया करवाई जाए। अन्यथा लापरवाही बरतने पर विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शतरंज प्रतियोगिता में 35 बच्चों ने लिया भाग

लड़कों की ओपन कैटेगरी में यशवंत प्रथम, साहिल द्वितीय

सोनीपत। हिंदू विद्यापीठ विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों के साथ शतरंज प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) व विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने संयुक्त रूप से अनूठी पहल का प्रयास किया है। इसके तहत प्रदेशभर के राजकीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के लिए सोमवार को अंडर-13, अंडर-17 व ओपन कैटेगरी की शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा विभाग व जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में हिंदू विद्यापीठ विद्यालय में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके लिए गूगल फॉर्म के माध्यम से कुल 55 विद्यार्थियों ने अपना नामांकन करवाया था, लेकिन ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रारंभ होने के चलते सभी कैटेगरी में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। सोनीपत में प्रतियोगिता का शुभारंभ एससीईआरटी के अतिरिक्त निदेशक सुनील बजाज ने विद्यार्थियों ने परिचय प्राप्त करके किया। अपने वक्तव्य में बताया कि शतरंज न केवल मानसिक विकास को बढ़ावा देता है, बल्कि निर्णय लेने की क्षमता, धैर्य, समय प्रबंधन, रचनात्मकता, एकाग्रता आदि जैसी सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा देता है।

ये रहे विजेता

प्राचार्य नरेंद्र कुमार ने बताया कि शतरंज दिमागी कसरत का एक खेल है, जिसे सरकार को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। उन्होंने एससीईआरटी के अतिरिक्त निदेशक सुनील बजाज से आग्रह किया कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों में आत्मविश्वास व आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकती हैं। प्रतियोगिता आयोजन टीम के आर्बिटर मनोज वर्मा व सुशील कुमार ने अंत में परिणाम जारी किया। उन्होंने बताया कि लड़कों की ओपन कैटेगरी में यशवंत ने प्रथम, साहिल ने द्वितीय, मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 मुकाबले में मोहन ने प्रथम, आयुष ने द्वितीय, शुभ ने तृतीय स्थान पाया। अंडर-13 में हितेश ने प्रथम, सावन ने द्वितीय, अमन ने तृतीय स्थान हासिल किया। लड़कियों के ग्रुप में ओपन कैटेगरी में मुस्कान ने प्रथम, खुशी ने द्वितीय, अंडर-13 मुकाबले में नम्रता ने प्रथम, अनन्या ने द्वितीय, अंडर-17 मुकाबले में अंजली ने प्रथम, तान्या ने द्वितीय व अंतिम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करें शक्ति केंद्र प्रमुख : डॉ. राममेहर

- गांव बनवासा में छह गांवों के शक्ति केंद्र प्रमुखों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेते हुए शक्ति केंद्र प्रमुख। *फोटो : हरिभूमि*

सोमवार को गांव बनवासा में भाजपा कथूरा मंडल के छह गांवों के शक्ति केंद्र प्रमुखों की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा कथूरा मंडल के अध्यक्ष अशोक सेन ने की।

बैठक को जिला गोहाना भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. राममेहर राठी ने बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ भाग लें और राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करें। पार्टी के हर कार्यकर्ता के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए। अशोक सेन ने कहा कि भाजपा की अंत्योदय की नीति के तहत लाभकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। पार्टी कार्यकर्ता लोगों के बीच में जाकर उनको सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें। इस मौके पर मंडल महामंत्री हुकमचंद, सरपंच टेकराम, मंगली राम, भगता, पंकज शर्मा, अजमेर नरवाल, रामकिशन छपरा, दिलबाग और जयनारायण सैनी उपस्थित रहे।

गोहाना। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते रक्षक सेना का प्रतिनिधिमंडल।

पुराने और खंडित राष्ट्रीय ध्वज उतरवाने की मांग

गोहाना। सोमवार को रक्षक सेना के प्रतिनिधिमंडल ने उपमंडलीय परिसर में एसडीएम अंकित कुमार को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न संस्थानों से पुराने व खंडित राष्ट्रीय ध्वज उतरवाकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। रक्षक सेना के संस्थापक अध्यक्ष व गो सेवक मनजीत तिहाड़ा ने कहा कि उपमंडल क्षेत्र में सरकारी कार्यालयों, निजी संस्थानों एवं अन्य स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज लगाए गए हैं। कई जगहों पर लगे हुए राष्ट्रीय ध्वज पुराने व खंडित प्रदर्शित हो रहे हैं, जो भारतीय झंडा संहिता का उलंघन है। ऐसे में पुराने व खंडित हो चुके सभी राष्ट्रीय ध्वज को शीघ्र सम्मानपूर्वक हटवाकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। मनजीत तिहाड़ा ने कहा कि किसी भी जगह पर मैला-कुचैला व खंडित राष्ट्रीय ध्वज लगाना राष्ट्र के सम्मान को ठेस है। राष्ट्रीय ध्वज नियम अनुपालना के लिए भविष्य में प्रत्येक सरकारी विभाग में नोडल अधिकारी नियुक्त कर जवाबदेही तय की जाए। आमजन में जागरूकता हेतु झंडा संहिता के मुख्य नियम फ्लेक्स/नोटिस के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित करवाए जाएं।

प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई कर अवैध कब्जे हटाने की मांग की

- गोरड़ के ग्रामीणों ने पंचायत की जमीन पर कब्जे की शिकायत दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

खरखौदा। अवैध कब्जों बारे एसडीएम को जानकारी देते ग्रामीण।

उपमंडल कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में गांव गोरड़ के ग्रामीणों ने पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर शिकायत दर्ज दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे हटाने की मांग की है। ग्रामीणों द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार उन्होंने 19 मार्च 2026 को भी समाधान शिविर में इस संबंध में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि कुछ लोगों द्वारा पंचायत भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। मामले को लेकर संबंधित पक्ष अदालत भी पहुंचा था तथा पैमाइश रुकवाने का प्रयास किया गया था। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत भूमि की पैमाइश 18 मई 2026 को करवाई गई, जिसमें अवैध कब्जा पाए जाने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कुछ लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि वे चाहते हैं कि बिना किसी भेदभाव के सभी अवैध कब्जों को हटाया जाए।

गर्मी में पंछियों के लिए घरों के बाहर मिट्टी के कसोरों में पानी जरूर रखें

- एनिमल क्योर क्लब ने तपती गर्मी में पंछियों के लिए कसोरों में पानी का प्रबंध किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। पेड़ों पर मिट्टी के कसारों में पानी का प्रबंध करते हुए क्लब के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

एनिमल क्योर क्लब ने तपती गर्मी में पंछियों के लिए कसोरों में पानी का प्रबंध किया। क्लब की टीम ने पेड़ों पर मिट्टी के कसारे लगाकर उनमें पानी भरा ताकि पंछियों को गर्मी में इधर-उधर पानी की तलाश न करनी पड़े।

इस समय तपती गर्मी में एनिमल्स क्योर क्लब हरियाणा द्वारा पंछियों के लिए पानी का प्रबंध करने की मुहिम चलाई जा रही है। क्लब की टीम द्वारा अलग-अलग जगहों पर पेड़ों पर मिट्टी के कसोरे लगाकर उनमें पानी भरा जा रहा है। क्लब द्वारा अब तक सैकड़ों कसोरे लगाए जा चुके हैं। क्लब के सदस्य यश, चेतन, अंकुर, दीपक और उमेश वशिष्ठ ने लोगों से आह्वान किया कि गर्मी के मौसम में पंछियों के लिए अपने-अपने घरों के बाहर मिट्टी के कसोरों में पानी जरूर रखें। यह छोटी की सेवा गर्मी में पंछियों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो सकती है।

गन्नौर में जनसमस्याओं को लेकर सीपीआई का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

- प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश सह सचिव सत्येंद्र गिरी एडवोकेट ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर। गन्नौर में जनसमस्याओं को लेकर सीपीआई का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को एसडीएम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम प्रवेश कादियान को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व सीपीआई के प्रदेश सह सचिव सत्येंद्र गिरी एडवोकेट ने किया। प्रदर्शन के दौरान सत्येंद्र गिरी एडवोकेट ने गीता जयंती एक्सप्रेस का गन्नौर रेलवे स्टेशन पर ठहराव कराने की मांग उठाते हुए कहा कि इससे हजारों यात्रियों को सुविधा मिलेगी। छात्राओं के लिए सुबह के समय सोनीपत और पानीपत जाने वाली बसों की संख्या बढ़ाने की मांग भी रखी, ताकि छात्राओं को परेशानी का सामना न करना पड़ता है। पबनेरा से पीरगढ़ी और बलिंदा गढ़ी होते यमुना बांध तक पक्की सड़क बनाने, खादर क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने और जीटी रोड फ्लाईओवर के नीचे सार्वजनिक शौचालय बनवाने की मांग भी शामिल रही। गांवों में जलभराव की समस्या का समाधान करने की मांग की गई। इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में ठेकेदारी प्रथा खत्म करने, श्रमिकों को न्यूनतम वेतन और 8 घंटे का कार्य दिवस लागू करने, ग्रामीण मजदूरों को रिहायशी प्लाट और मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता देने तथा जिन गांवों में चौपाल नहीं हैं वहां चौपाल निर्माण कराने की मांग भी रखी गई। कार्यकर्ताओं ने सरकार से मांगों पर जल्द कार्रवाई करने की मांग की।

रासबिहारी बोस को 140वीं जयंती पर किया नमन

गोहाना। रासबिहारी बोस को उनकी जयंती पर याद करते हुए नागरिक।

- रासबिहारी बोस ने सशस्त्र क्रांति से ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी थी : आजाद सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में रासबिहारी बोस की 140वीं जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने रासबिहारी बोस के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए याद किया। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देश भक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक के आजाद सिंह दांगी ने कहा दूरदर्शी क्रांतिकारी रास बिहारी भारत के उन चुनिंदा क्रांतिकारियों में से एक थे जिन्होंने देश के भीतर ही नहीं बल्कि विदेशों में रहकर भी ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी थी। 1912 में लॉर्ड हार्डिंग पर बम फेंकने की योजना और 1915 की गदर साजिश के वे मुख्य सूत्रधार थे। समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्त फौजी रणधीर राठी ने की। उन्होंने कहा रासबिहारी बोस ने जापान जाकर इंडियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना की और आजाद हिंद फौज के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगे चलकर आजाद हिंद फौज की कमान नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सौंप दी गई।

गोहाना। लोगों की समस्याएं सुनते एसडीएम अंकित कुमार।

समस्याओं को गंभीरता लेकर शीघ्र निपटान करें

गोहाना। सोमवार को उपमंडलीय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखी। शिविर की अध्यक्षता एसडीएम अंकित कुमार ने की। उन्होंने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। एसडीएम अंकित कुमार ने कहा किसमस्याओं का समाधान पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से किया जाए। किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक मामले की गंभीरता से जांच कर निर्धारित समय सीमा में उसका समाधान सुनिश्चित करें। जिन शिकायतों का मौके पर समाधान संभव है, उन्हें तुरंत निपटाया जाए जबकि जटिल मामलों की रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र कार्रवाई की जाए। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाएं। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आमजन को राहत प्रदान करना तथा उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है। तहसीलदार शिखा, बिजली विभाग से एसडीओ कपिल यादव, पीडब्ल्यूडी विभाग से एसडीओ नरेंद्र लाठर , बीईओ गोहाना बलजीत गहलावत, बीईओ कथूरा लवल किशोर, बीईओ मुंडलाना राजकुमार पंघाल मौजूद रहे।

भारतीय शिक्षा पद्धति, शिक्षण तकनीक, कक्षा प्रबंधन का अनुभव प्राप्त करेगा दल

ऋषिकुल विद्यापीठ में भूटान के शिक्षक दल का भव्य स्वागत

कार्यक्रम विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए लाभकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ में कार्यक्रम के दौरान भूटान से आए शिक्षक दल।

ऋषिकुल विद्यापीठ में शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत भूटान से आए शिक्षक दल का भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया गया। शिक्षक दल करीब एक सप्ताह तक विद्यालय में रहकर भारतीय शिक्षा पद्धति, शिक्षण तकनीकों, कक्षा प्रबंधन व सह-शैक्षणिक गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करेगा। इस दौरान कार्यशालाओं, सेमिनारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों देशों के शिक्षकों के बीच ज्ञान और अनुभव साझा किए जाएंगे।

विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। निदेशक धीरज शर्मा ने इसे वैश्विक समझ विकसित करने का माध्यम बताया। ग्लोबल आउटरीच डायरेक्टर अर्चना शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम संस्कृतियों और मूल्यों के आदान-प्रदान का सेतु है। उपप्रधानाचार्या कृति चौधरी और प्रधानाचार्य उमेश शर्मा ने भी कार्यक्रम को विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए लाभकारी बताया। इस अवसर पर ग्रीष्मकालीन सत्र का शुभारंभ भी किया गया।

होनहार विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में बिखेरे प्रतिभा के रंग

सोनीपत। जिला स्तरीय बाल महोत्सव में साउथ पॉइंट वर्ल्ड स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। जीवीएम कन्या महाविद्यालय में जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में स्कूल की छात्राओं को सम्मानित किया गया। साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने कहा कि प्रतियोगिता में उन्होंने बताया कि ईशिका अरोड़ा (5वीं) ने कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, ईशिका (11वीं, आर्ट्स) ने थाली पूजन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान, आशिमा (8वीं) ने दीया-कैंडल मेकिंग प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार हासिल किया। यह उपलब्धि उनकी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विजेता छात्राओं को बधाई दी और और कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक समझ को नई दिशा देती हैं। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी इस प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने कहा कि सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

महिला नेतृत्व के सुरक्षा कवच और प्रशासनिक कौशल से संवर रहा सोनीपत

जिले के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस तंत्र की कमान महिला अधिकारियों के हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इसे देश के प्रशासनिक इतिहास का एक अभूतपूर्व और गौरवशाली अध्याय कहा जा सकता है, जहां दिल्ली से सटे हरियाणा के बेहद महत्वपूर्ण और औद्योगिक रूप से अग्रणी जिले सोनीपत की कमान पूरी तरह से 'आधी शक्ति' के हाथों में सुरक्षित है। वर्तमान समय में जिले के प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था के शीर्ष पदों पर महिला अधिकारी न केवल तैनात हैं, बल्कि वे पूरी निष्ठा, दृढ़ता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। चाहे जिला प्रशासन का सर्वोच्च पद हो या पुलिस कमिश्नरेट की सुरक्षा व्यवस्था, हर मोर्चे पर महिलाएं जिले को एक नई दिशा दे रही हैं। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि जब महिलाओं को बड़े नीतिगत और निर्णय लेने वाले पदों पर अवसर मिलते हैं, तो वे अपनी कार्यकुशलता से पूरे तंत्र को अधिक पारदर्शी और जन-हितैषी बना देती हैं। जिले की प्रशासनिक व्यवस्था के शीर्ष पर उपायुक्त नेहा सिंह (आईएएस) तैनात हैं। वर्ष 2015 बैच की आईएएस अधिकारी ने मार्च 2026 में सोनीपत उपायुक्त का कार्यभार संभाला था। कार्यभार ग्रहण करते समय उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और समस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता बताया था। आज जिले में विकास योजनाओं, जनसुनवाई और प्रशासनिक मॉनिटरिंग में उनकी सक्रिय भूमिका दिखाई देती है। उनके कुशल नेतृत्व में जिला प्रशासन विकास कार्यों को गति देने के साथ-साथ राजस्व मामलों और जनहित की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतार रहा है।

सीटी पल्स

यहां भी महिलाओं का है दबदबा

प्रशासनिक समन्वय की रीढ़ मानी जाने वाली सीटीएम की पोस्ट पर भी महिला शक्ति ही काबिज है। सिमरन (एचसीएस) जिले के मुख्यालय स्तर के कार्यों और विभिन्न विभागों के बीच तालमेल को बेहद बारीकी से संभाल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, जिले की अर्थव्यवस्था और किसानों से सीधे जुड़े चीनी उद्योग के क्षेत्र में भी महिलाओं का नेतृत्व है। गोहाना शुगर मिल की प्रबंध निदेशक (एमडी) अंकिता वर्मा (एचसीएस) और सोनीपत शुगर मिल की प्रबंध निदेशक अनमोल (एचसीएस) चीनी मिलों के संचालन, पेराई सत्र के प्रबंधन और किसानों के गन्ना भुगतान जैसे पेचीदा मामलों को पूरी संवेदनशीलता और व्यावसायिक कुशलता के साथ संभाल रही हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण संरक्षण और जिले के हरित क्षेत्र को बढ़ाने की जिम्मेदारी जिला वन अधिकारी (डीएफओ) रेणु बाला के कंधों पर है, जो लगातार पौधारोपण अभियानों और वन संपदा के संरक्षण के लिए जमीनी स्तर पर कार्य कर रही हैं।

सुरक्षा व कानून-व्यवस्था का अभेद्य किला

सोनीपत जैसे संवेदनशील और दिल्ली की सीमा से सटे जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। इस चुनौती को पुलिस आयुक्त ममता सिंह (आईपीएस) के नेतृत्व में बेहद मुस्तैदी से संभाला जा रहा है। एडीजीपी रैंक की अधिकारी ममता सिंह लगातार फील्ड में सक्रिय नजर आती हैं। रात्रि निरीक्षण से लेकर कांवड़ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था तक वह स्वयं निगरानी करती रही हैं। उनकी कार्यशैली सख्त प्रशासन और मानवीय संवेदनशीलता दोनों का संतुलन मानी जाती है। उनके दिशा-निर्देशों में पूरा कमिश्नरेट तंत्र अपराधियों पर नकेल कसने में कामयाब रहा है।

महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण

सोनीपत जिले का यह प्रशासनिक ढांचा देश के अन्य हिस्सों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण पेश करता है। एक दौर था जब फील्ड पोस्टिंग और कानून-व्यवस्था से जुड़े चुनौतीपूर्ण पदों पर महिलाओं की तैनाती को लेकर संशय जताया जाता था, लेकिन सोनीपत की इन महिला अधिकारियों ने अपनी योग्यता, कड़ी मेहनत और सूझबूझ से उन रूढ़ियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। आज पूरा जिला इस बात का गवाह है कि प्रशासनिक संतुलन, जनता से सीधा संवाद और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में यह महिला टीम पूरी तरह सफल साबित हो रही है। इस प्रकार, सोनीपत की कमान आज की 'नारी शक्ति' के हाथों में न केवल सुरक्षित है, बल्कि जिला प्रगति के पथ पर लगातार अग्रसर है।

प्रशासनिक व्यवस्थाएं महिलाओं के हाथ

उपायुक्त : नेहा सिंह (आईएएस)

सिटी मजिस्ट्रेट : सिमरन (एचसीएस)

शुगर मिल गोहाना एमडी अंकिता वर्मा (एचसीएस)

शुगर मिल सोनीपत एमडी अनमोल (एचसीएस)

डीएफओ (जिला वन अधिकारी) : रेणु बाला

पुलिस महकमे में भी महिलाओं के कंधों पर जिम्मेदारी

पुलिस आयुक्त : एडीजीपी ममता सिंह (आईपीएस)

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) मेधा भूषण (आईपीएस)

पुलिस उपायुक्त (हेडक्वार्टर) सोनाक्षी सिंह (आईपीएस)

सहायक पुलिस आयुक्त निधि नैन (एचपीएस)

कानून-व्यवस्था से लेकर विकास कार्यों तक में स्थापित कर रहीं नए आयाम

तहसीलदार सोनीपत : कीर्ति

तहसीलदार गन्नौर : ललिता

तहसीलदार गोहाना : शिखा

खबर संक्षेप

शनिमंदिर के पास से युवक की बाइक चोरी

गन्नौर। बड़ी क्षेत्र में शनिमंदिर के पास से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। चोरी की शिकायत महिला ने पुलिस को दी। शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सनपेड़ा निवासी सचिन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी स्प्लेंडर बाइक 24 को शनि मंदिर बड़ी के पास खड़ी थी।

ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में जीते चार पदक

गोहाना। शहर में बरोदा मार्ग पर स्थित बाल भारती स्कूल की कराटे अकादमी के खिलाड़ियों ने जम्मू यूनिवर्सिटी में सम्पन्न हुई ऑल इंडिया कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक जीत लिए। सोमवार को स्कूल के निदेशक हरि प्रकाश गौड और प्राचार्या सोनू शर्मा ने पदक विजेता खिलाडिय़ों और कोच अनिल भारद्वाज को सम्मानित किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

सोनीपत। नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के मामले में एक युवक पकड़ा। आरोपित की पहचान हेमंत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 25 मई को जिले के एक व्यक्ति ने थाना कुंडली में शिकायत देकर बताया कि उसकी नाबालिग बेटी बिना बताए घर से चली गई है।

पेट्रोल 102.72 रुपये, डीजल 95.36 रुपये व सीएजी 89.00 रुपये मिल रहा

11वें दिन ईंधन कीमतों का चौथा झटका, कटेगी आम आदमी की जेब

- **कच्चे तेल के भाव में बढ़ोतरी से कंपनियों ने 10 दिन में लगातार चौथी बार बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम**

लोगों में संशय 10 रुपये तक जा सकती है पेट्रोल-डीजल के दामों की बढ़ोतरी, बाजार पर महंगाई का मंडराएगा संकट

पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों से महंगे सफर के बाद अब खाद्य सामग्री के भावों और खेती पर पर पड़ सकता है असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ईंधन के लगातार चौथी बार बढ़े दामों के रूप में सोमवार को चौथा अटैक सामने आया है। तेल के दामों में लगातार 11वें दिन चौथी बार बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 2.60 रुपये बढ़कर 102.72 रुपये पहुंच चुका है, जबकि डीजल के भाव 2.70 रुपये की बढ़ोतरी होने के बाद 95.36 रुपये प्रति लीटर पहुंच गए हैं। इन पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में लगातार चार बढ़ोतरी का कारण आसमान छूते कच्चे तेल का भाव माना जा रहा है। इससे पहले 15 मई को पेट्रोल-डीजल के दाम में पहली बार सीधे 3-3 रुपये, दूसरी बार 19 मई को 87 और 91 पैसे, तीसरी बार 23 मई को 86 व 91 पैसे बढ़ने के बाद अब चौथी बार सीधे 2.60 रुपये और 2.70 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। जिले में चार चरणों में 10 दिन के अंदर पेट्रोल के दाम में 7.33 रुपये और डीजल के भाव में 7.52 रुपये की बढ़ातरी हो चुकी है। उधर सीएनजी के दाम 6 मई को 80 पैसे बढ़ोतरी के बाद 89 रुपये प्रति किलो पर स्थिर हैं। तेलों के दाम बढ़ने के बाद सोमवार से सभी पंपों पर पेट्रोल-डीजल के नए भाव लागू हो चुके है। इस बीच किसी पंप पर ईंधन की किल्लत का मामला सामने नहीं आया है। लोगों में संशय बना है कि पेट्रोल-डीजल के दामों में जल्द 10 रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है। लोगों को खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा की चीजों के भाव पर संकट मंडराता दिख रहा है। तेल की बढ़ी कीमतों से महंगे सफर के बाद माल ढुलाई के भाड़े में बढ़ोतरी होने के कयास शुरू हो गए हैं।

फिर पड़ी मार

- लोगों की मांग है कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में कटौती कर उन्हें राहत दी जाए।
- परिवारों में हर दूसरा व्यक्ति वाहनों के लिए पेट्रोल-डीजल पर निर्भर

सोनीपत। शहर में पंप पर पेट्रोल भरवाते वाहन चालक।

महंगाई बढ़ने की सता रही चिंता

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार होने से लोगों को महंगाई बढ़ने की चिंता भी सताने लगी है। 11 दिन में पेट्रोल-डीजल के चार बार दाम बढ़ने से खासकर वाहन चालक परेशान नजर आने लगे हैं। वहीं आमजन के साथ किसान वर्ग को भी झटका लगने के संकेत हैं। आज हर घर में वाहन होने के चलते आमजन का जीवन पूर्णतय पेट्रोल-डीजल पर निर्भर हैं। लोगों की मांग है कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में कटौती कर उन्हें राहत दी जाए। वहीं डीजल के दाम में इजाफा होने से किसानों को खेतों में जुताई-बुआई करना महंगा पड़ेगा।

बाजार पर महंगाई रूपी संकट के बादल मंडराने का खतरा

जिले में इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम व रिलायंस के करीब 222 पेट्रोल पंपों पंपों के माध्यम से रोजाना हजारों लीटर ईंधन की खपत हो रही है। पहली बार दाम बढ़ते ही जहां ऑटो चालकों ने 50 प्रतिशत किराया बढ़ाकर लोगों का सफर महंगा कर दिया था, वहीं अब माल ढुलाई के भाड़े बढ़ोतरी से खाद्य पदार्थों के दामों पर असर पड़ता दिखाई दे रहा है। खाद्य बाजार में भी महंगाई बढ़ने रूपी संकट के बादल मंडरा सकते हैं। अब लोगों की नजर खाद्य सामग्री के भावों पर टिकी है।

ईंधन के बढ़े दाम

ईंधन	पहले दाम	नया दाम
पेट्रोल	100.12	102.72 रुपये
डीजल	92.66	95.36 रुपये
सीएनजी	88.20	89.00 रुपये

तेल की नहीं है कोई किल्लत

पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार चौथी बार ऊपर से बढ़ोतरी होने के बाद पंपों पर नए रेट सोमवार से लागू हो चुके हैं। पेट्रोल पंपों पर फिलहाल तेल संबंधी कोई किल्लत नहीं है। उपभोक्ताओं को जरूरत अनुसार तय रेट पर पेट्रोल-डीजल का वितरण जारी है।
-प्रविंदर खत्री, प्रधान, पेट्रोल पंप एसोसिएशन, सोनीपत

सोनीपत। सांसद दीपेंद्र हुड्डा के साथ कांग्रेस नेता, पदाधिकारी एवं अन्य।

दीपेंद्र हुड्डा संग कांग्रेस ने बनाई नई रणनीति

- निगम चुनाव में जीत दर्ज करने वाले पार्षदों का किया उत्साहवर्धन
- कमजोरियों पर चिंतन कर जनता के बीच मजबूती से उतरने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम चुनाव के बाद कांग्रेस पार्षदों और प्रत्याशियों ने सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान व ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया भी मौजूद रहे। बैठक में नगर निगम चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन और आगामी संगठनात्मक रणनीतियों को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य निगम चुनाव में जीत दर्ज करने वाले पार्षदों का उत्साहवर्धन करना था। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने सभी निर्वाचित पार्षदों को जीत की बधाई देते हुए उनके चुनावी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पार्षदों की मेहनत के कारण ही कांग्रेस ने नगर निगम में अपनी उपस्थिति मजबूत की है और पार्टी का लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने चुनाव के दौरान सामने आई कमजोरियों को दूर करने पर भी जोर दिया और कार्यकर्ताओं का मनोबल ही नगर निगम चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से भविष्य में और अधिक मेहनत के साथ पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

चुनावी समीक्षा बैठक

बैठक में सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने चुनाव परिणामों का गहन विश्लेषण किया गया। इसमें जीत दर्ज करने वाले पार्षदों से फीडबैक लेने के साथ-साथ उन कारणों पर भी चर्चा हुई, जहां पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि चुनाव से मिली सीख को अपनाकर कमजोर बिंदुओं में सुधार करना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देकर ही कांग्रेस आने वाले समय में और अधिक सशक्त बन सकती है। उन्होंने सभी पार्षदों और नगर निगम के पार्षद प्रत्याशियों से अनुशासन और एकजुटता के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं और जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करना होगा।

डीसीआरयूएसटी कर्मचारी संघ ने आवास खाली कराने के आदेश का विरोध किया

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ ने अधीक्षक आनंद कुमार को आवास सी-58 खाली कराने के आदेश को अन्यायपूर्ण और नियम-विरुद्ध बताते हुए इसे तुरंत निरस्त करने की मांग की है। संघ के प्रधान सुरेश कुमार ने कहा कि 70 प्रतिशत दिव्यांग आनंद कुमार को मकान खाली करने का आदेश देना अमानवीय है। उन्होंने बताया कि आनंद कुमार को वर्ष 2000 और 2006 में "अत्यन्त कुशल दिव्यांग कर्मचारी" सम्मान मिल चुका है। संघ के अनुसार वर्ष 2018 में नियमानुसार मकान आवंटित किया गया था और 2022 में पदावनति के बाद "वन स्टेप डाउन" नियम लागू हुआ। दो समितियों ने मकान यथावत रखने की सिफारिश की थी, लेकिन प्रशासन ने तीसरी समिति बनाकर प्रतिकूल निर्णय लिया।

रुक्मिणी देवी स्कूल के छात्र प्रतियोगिता में तृतीय

राई। रुक्मिणी देवी पब्लिक स्कूल की टीम ने इंटर-स्टेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में हरियाणा टीम ने उत्तर प्रदेश को हराकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद दूसरे मैच में हरियाणा ने तेलंगाना को मात दी। तीसरे मुकाबले में मध्यप्रदेश के खिलाफ भी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। चौथे मैच में भी हरियाणा टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम किया। लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम ने प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन गुप्ता ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। टीम के कोच विनीत दहिया ने खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी खिलाड़ियों और विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। स्कूल के शिक्षक मौजूद रहे।

पॉलिटेक्निक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू होगा एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्स

सोनीपत। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान (पॉलिटेक्निक) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से विद्यार्थियों के लिए एक नए एवं रोजगारपरक डिप्लोमा पाठ्यक्रम एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग की शुरुआत की गई है। यह तीन वर्षीय डिप्लोमा कोर्स होगा, जिसमें कुल 60 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसलिए इच्छुक युवा 10 जून तक अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। प्रधानाचार्य प्रवेश सांगवान ने बताया कि हरियाणा राज्य में यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम पहली बार किसी भी सरकारी अथवा निजी संस्थान में प्रारम्भ किया गया है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का किसी भी राज्य अथवा केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

- प्रदेश में पहली बार किसी सरकारी अथवा निजी संस्थान में शुरू किया गया यह पाठ्यक्रम

हाई टेंशन लाइनों के मुआवजा संशोधन के खिलाफ किसानों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

बिजली की हाई टेंशन लाइनों से प्रभावित किसानों ने सोमवार को छोटूराम धर्मशाला में बैठक कर नई मुआवजा नीति के संशोधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। करीब 50 गांवों के किसानों और प्रतिनिधियों ने "किसान एकता जिंदाबाद" के नारों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचकर सरकार के खिलाफ रोष जताया और उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने 29 अप्रैल 2026 से लागू संशोधित प्रावधानों को किसान विरोधी बताते हुए इन्हें तत्काल निरस्त करने की मांग की। बैठक में किसान प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि नई संशोधित नीति के तहत किसानों की जमीन का वास्तविक बाजार मूल्य तय नहीं किया जा रहा है। किसानों का कहना था कि हरियाणा के लगभग 20 जिलों में बिजली की हाई टेंशन लाइनों का कार्य चल रहा है और मार्केट रेट कमेटियों में जमीनों का मूल्य वास्तविक कीमत से काफी कम तय किया जा रहा है। किसानों ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत लॉटरी सिस्टम से मार्केट रेट निर्धारित करने का नियम लागू किया गया है, जो पूरी तरह गैरकानूनी और किसान विरोधी है। इसके अलावा सबसे कम वैल्यूएशन रिपोर्ट में केवल 10 प्रतिशत बढ़ोतरी कर मुआवजा तय करने का प्रावधान किया गया है, जिससे पावर ग्रिड प्रबंधन और बिजली विभाग की मनमानी बढ़ेगी।

सोनीपत। एडीसी को ज्ञापन सौंपते किसान।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5X8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

रक्तदान करना हमारी जिम्मेवारी: वीरेंद्र

गोहाना। भागराम ट्रस्ट के साप्ताहिक शिविर में सोमवार को 2 महिलाओं समेत 49 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य कमाया। शहर में सोनीपत मार्ग टी-प्वाइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक में आयोजित इस शिविर में 7 लोगों ने पहली बार रक्तदान का खाता खोला। मुख्य अतिथि बार एसोसिएशन गोहाना के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र आर्य ने कहा कि रक्तदान करना समाजहित में न केवल हमारी जिम्मेवारी अपितु कर्तव्य भी है। रक्तदान करना एक जीवनरक्षक कार्य है। रक्तदान करके हम गंभीर दुर्घटनाओं में घायलों, सर्जरी, कैंसर व अन्य आपातकालीन स्थितियों में मरीजों की जान बचा सकते हैं। रक्तदान से न केवल प्राप्तकर्ता अपितु दानकर्ता के लिए भी बहुत फायदेमंद है। शिविर की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गगनेजा ने की और स्टार रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास का रहा। शिविर में बिमला देवी और रीना दो महिलाओं समेत 49 नागरिकों ने रक्तदान किया।

दुकानों के सामने जमा रहता है गंदा पानी, लोगों को परेशानी

अतिक्रमण हटाने पहुंची नपा टीम, दुकानदारों ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

सोमवार को शहर के मुख्य बाजार में नगर पालिका सचिव मनीष रेढू के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया गया। कार्रवाई के दौरान बाजार के दुकानदारों ने विरोध जताते हुए हंगामा कर दिया, जिसके चलते कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। बाद में नगर पालिका सचिव ने हालात को देखते हुए कार्रवाई को रोकते हुए सभी दुकानदारों को नगर पालिका कार्यालय में बैठक के लिए बुलाया है। मुख्य बाजार में पिछले करीब दो वर्ष से एक दुकानदार गंदे पानी की निकासी की समस्या से परेशान था। दुकानदार का कहना था कि बाजार में बने नाले ओवरफ्लो होने के कारण उसकी दुकान के आगे पानी जमा हो जाता है, जिससे ग्राहकों और राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। बताया जाता है कि नालों के ऊपर कई दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था, जिसके कारण सफाई कर्मियों को नालों की नियमित सफाई करने में दिक्कत आ रही थी। इसी समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका द्वारा नालों के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई।

खरखौदा। दुकानों के आगे किए गए अतिक्रमण को हटाते जेसीबी।

अतिक्रमण हटाने पर हंगामा

नगर पालिका की टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से अवैध निर्माण हटाने शुरू किए तो कुछ दुकानदारों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने निजी फायदे के चलते सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया। कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीन से एक दुकान का शटर भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद दुकानदारों में रोष फैल गया और सभी दुकानदार मौके पर इकट्ठा हो गए। बढ़ते विरोध को देखते हुए नगर पालिका सचिव ने कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोक दिया। नगर पालिका सचिव ने कहा कि बाजार की जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करना जरूरी है। यदि नालों पर किया गया अतिक्रमण नहीं हटेगा तो उनकी सफाई संभव नहीं होगी और गंदे पानी की समस्या लगातार बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि दुकानदारों के साथ बैठक कर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।